BIHAR 40Rs.

चालीस रुपया

भारत INDIA

४०रु. FORTY RUPEES 40RS

1. लेख्यकारी :- मो. अब्दुल सत्तार पिता का नाम स्वर्गीय बाकर अली जाति मुसलमान व्यवसाय खेती गृहस्थी निवास स्थान सिमडेगा मोहल्ला प्रगना बीरु थाना सिमडेगा जिला राँची —— विक्रेता।

2. लेख्यधारी :- प्रदीप नारायण साहु पिता का नाम जीवित श्री गोविन्द साहु जाति मरैया तेली व्यवसाय खेती गृहस्थी निवास स्थान टैंसरा प्रगना बीरु थाना सिमडेगा जिला राँची, हाल मो. सिमडेगा —— क्रेता।

3. लेख्यप्रकार :- विक्रय पत्र केवाला बैनामा नामी पुत्र पुत्रादि के लिए।

4. मूल्य :- रु. तीन हजार रुपये अंके 3000/- रु. जिसका आधा मो. एक हजार पाँच सौ रुपये अंके (1500) रु. होते हैं।

5. सम्पत्ति :- रकबा जिसात अन्दर छः डिसमील (0.06) डी० हकियत खरीदी कायमी खेती जमीन अपना खास मय दखली जिस का पूरा विवरण नीचे दिया गया है।

1. चूँकि मुझ लेख्यकारी को अपने आधार के लिए रुपयों की अत्यन्त आवश्यकता हुई और इस समय इस काम के लिये रुपया प्राप्त करने का और उपाय

30RS.

तीस रुपया

भारत

INDIA

30 रु. THIRTY RUPEES 30RS

सिवाय अपनी खरीदगी जमीन बेचने के दूसरा उपाय नहीं है अतः मैं ने उपर्युक्त लेखधारी से मेरी जमीन खरीदने की प्रार्थना की और उन्होंने लेना स्वीकार किया।

2 इसलिये मैं ने अपनी इच्छा से शरीर और मन की स्वस्थता में ऊपर खाना संख्या 5 में वर्णित जमीन उपर्युक्त लेखधारी श्री दीपनारायण साहु के हाथ मो० 3000) रु० जाद कीमत चुकता को बेबाक पाकर बेचा और इस जमीन का अपना कुल हक हकूक उक्त लेखधारी तथा उनके उत्तराधिकारी कायम मोकामोकाम जो हैं और जो होंगे उन्हें हस्तान्तरित कर दिया, अब से जिस कदर का मेरा हक हकूक था या आईन्दे होता हुबहु हक हकूक उक्त लेखधारी तथा उनके बाद उनके उत्तराधिकारी का होगा, आज से से विक्रीत जमीन पर मेरा कोई अधिकार नहीं रहा और न हमारे किसी उत्तराधिकारी का कोई सरोकार रहा।

3 मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि उक्त जमीन मेरी खरीदगी जमीन है और इस जमीन को ता० 21-8-64 को श्री हुकुम भगता वल्द स्व० हरिनाथ भगता सा० सिमडेगा [illegible] टोली से बजरिये रजिस्ट्री के पक्का केवाला हासिल किया है जिस का रजिस्ट्री पत्र संख्या 12688 सन 1964 ई० का है और किसी किस्म का भार नहीं है। चाहिये कि लेखधारी से विक्रीत जमीन पर अपना काबिज दखल करके होकर जो रहकर जोत

बीस रुपया

भारत INDIA

TWENTY RUPEES

२० रु. 20 RS.

करें या मकान सहन बनावें चाहे अपना जिस तरह का सुविधा हो
करें बोवायें और जो कुछ पैदावार नादी जिन्सी जिस किस्म
का हो पुत्र पुत्रादि के भोग तसरूफ किया करें वो जमीन्दार बिहार
सरकार वगैरह से सकल ओ किस मो० सिमडेगा के सिरिस्ते से अपने
नाम दाखिल खारिज करावें वो मालगुजारी तथा अन्य टैक्स
मालिकान के देकर अपने नाम रसीद लिया करें।

४ इसलिये यह विक्रय पत्र केवाला बेला कनामी पुत्र पुत्रादि के
के लिये लिख दिया कि प्रमाण रहे।

जमीन का पूरा विवरण :— वाके मौजा सिमडेगा परगना बीरु
थाना सिमडेगा थाना नं० ११६ सब रजिस्ट्री ओ फिस सिमडेगा सदर
रजिस्ट्री ओ फिस वो जिला राँची। अन्दर खेवट नं० २ खाता नं० १४१
प्लाट नं० ४१६ रकबा १.०५ डी० मध्ये में से जानिब बीच रकबा
०.०६ डी०। पूर्व पश्चिम चौ० ३४ कड़ी उत्तर दक्षिण
लम्बाई १ जरीब ६२ कड़ी। चौ० उत्तर रास्ता (गलियारी)
दक्षिण रास्ता, पूर्व नीज, पश्चिम नीज। कुल एक
खाता का कुल एक प्लाट का टुकड़ा रकबा ०-०६ डी०/ माल
गुजारी मो० .०६ पैसे अलावे शेष सलाने/ वा: इकरार
सोनिक के पहले केवाला का नकल लिया जो दोनो फरीकैन
को पढ़ कर सुना दिया वो सबने भी पढ़ कर मंजूर किये
लिपिकार जयपाल सिंह नरेश डाकुमेंट राइटर सिमडेगा कचहरी
ता० १८-६-१९६६ वाजरहे कि इस प्लाट के अन्दर
लेखकारी को [illegible] गलियारी एक रास्ता छोड़ा गया है।
[illegible]

पच्चीस रुपया

भारत

INDIA

२५रु. 25Rs

TWENTY FIVE RUPEES

[illegible]

रकबा [illegible] बीच रकबा 0.0[illegible]

चौ० पूर्व [illegible] 3.5 कड़ी, [illegible] उत्तर [illegible]

[illegible] 6.3 कड़ी, चौ० उत्तर गलियारी [illegible] द: रास्ता [illegible]

पुत्र रामचन्द्र [illegible] का [illegible]

टुकड़ा रकबा 0.06 [illegible] 0.6 [illegible]

[illegible] बनाते। [illegible] कि उत्तर गलियारी 10 कड़ी और

द: रोड के लिये 20 कड़ी [illegible] की ओर से सार्वजनिक

रास्ता छोड़ा गया है। [illegible] कि [illegible] के सत्र

[illegible] में [illegible] ऊपर लिखा हुआ जो 0.06

और [illegible] लिखा हुआ ठीक है [illegible]

के [illegible] लिखा जो पढ़ कर [illegible]

[illegible] को [illegible] पढ़ कर

[illegible]

[illegible] दि० 10-11-86

3R50nP

INDIA

तीन रुपये पचास नये पैसे

THREE RUPEES भारत FIFTY NAYE PAISE

मैं अब्दुल सतार वल्द स्वर्गीय नाजर अली जाति मुसलमान पेशा खेती को व्यापारी निवासी स्थान सिमडेगा थाना सिमडेगा जिला राँची का प्रमाणोक्त करता हूँ कि जो सम्पत्ति का अन्तरण करता हूँ वह सम्पत्ति विनिर्दिष्ट अधिकतम सीमा से अधिक नहीं होगी

अब्दुल सत्तार
१६-५-८४

श्री अब्दुल सतार को मैं विरेन्द्र साव वल्द श्री बुल्लाराम जाति मध्यैया तेली साकिन रुद्धुपाना कुलिया हलिमा सिमडेगा थाना सिमडेगा जिला राँची के पहचान को उनके मेरे जानने हलफन तसदीक करता कि ऊपर के बयान उनके जानकारी एवं विश्वास से उचित है।

निबंधन पदाधिकारी : वीरेन्द्र साव
ता.१६-५-८४

इस भूमि को लिये अपना प्राप्त करने का मेरा उपाय

BIHAR

INDIA 3RS

तीन रुपया

THREE RUPEES भारत THREE RUPEES

मैं दीपनारायण साहु वल्द श्री गोविन्द साहु जाति मध्यै मतेली ग्राम सेनी निवास स्थान टैसरा थाना सिसई जिला राँची का प्रमाणित करता हूँ कि अन्तरित की जाने वाली सम्पत्ति के कारण मेरे द्वारा धारित सम्पत्ति अधिकतम सीमा से अधिक नहीं होगी।

दीपनारायण साव
ता: १८-१०-८५

श्री दीपनारायण साहु को मैं विरेन्द्र साव वल्द श्री मुखा साव जाति मध्यै मातेली साकिन ...... थाना ...... सिसई थाना सिसई जिला राँची ने पहचान की और मेरे सामने हस्ताक्षर किया कि उपर के आवेदन ज्ञानकारी एवं विश्वास से सच्चे हैं।

विरेन्द्र साव
ता: १८-१०-८५

निबन्धन पदाधिकारी

इस कार्य के लिये रुपया प्राप्त करने का मेरा उपाय

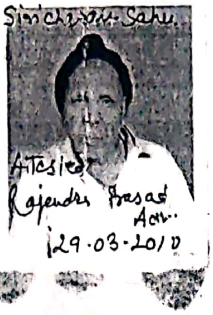

310 1000Rs.









Sirichran Sahu

Attested
Rajendra Prasad
Adv.
29.03.2010

46 I Pro C

23 I A

29.3.10

29.3.10

§1§ लेख्यकारी:- श्री सिरीचरण साहु पिता स्व० रूपलाल साहु, जाति- तेली, पेशा- व्यवसाय, निवास स्थान-गुमला, थाना- गुमला, जिला- गुमला ।

...... बिक्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या:- 223 | 2010

1000Rs.

--2--

(2) लेख्यधारी:- श्री दीपनारायण प्रसाद पिता स्व० गोविन्द साहु, जाति- तेली, पेशा- खेतीबारी, निवास स्थान-टैसेरा, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

∴ भारतीय नागरिक ∴ क्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या:- 224 / 2010

(3) लेख्यप्रकार:- विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी पुत्र पुत्रादिक सदा सर्वदा के लिये होता है ।

(4) मूल्य:- मोबलिग एक लाख सोलह हजार रुपये अंके 1,16,000/- रुपये जिसका आधा अन्ठावन हजार रुपये अंके 58,000/- रुपये होते है ।

(5) सम्पति:- रकबा 0·05 एकड़ (पाँच डिसमिल) हकियत खरीदगी रैयती मय दखली जमीन, मौजा- सिमडेगा, गुलजारगली, दक्षिण भाग, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा, सदर रजिस्ट्री ऑफिस वो जिला- सिमडेगा, अन्दर थाना नं० 116, खाता नं० 141 (एक सौ एकतालिस) प्लॉट नं० 497 (चार सौ सनतानबे) रकबा 1·05 एकड़ में से रकबा 0·05 एकड़ (पाँच डिसमिल) जानिब बीच, यह जमीन व्यवसायिक नहीं है पूर्णत: आवासीय है जिसपर किसी प्रकार का मकान या निर्माण नहीं है ।

जिसकी चौहद्दी:-

1000Rs.

उत्तर:- गलियारी नीज इसी प्लॉट का अंश, 2' का

दक्षिण:- इसी प्लॉट का अंश रास्ता, कच्चा

पूरब :- इसी प्लॉट का दूसरा हिस्सा मकान
जानकी साहु वो बालो साहु,

पश्चिम:- इसी प्लॉट का अंश क्रेता का मकान ।

मालगुजारी 6 पैसा (छः पैसा) अलावे सेस सलाना ।

कुल एक खाता का एक प्लॉट कुल रकबा 0·05 एकड़ ।

(1) चूँकि मुझ लेख्यकारी को मकान बनाने एवं कई आवश्यक कार्यों के लिए रूपये की अनिवार्य आवश्यकता है और इस समय मुझे रूपये मिलने का और कोई दूसरा उपाय सिवाय जमीन बिक्री करने के नहीं है । फलतः मैंने उपर्युक्त लेख्यधारी से जमीन खरीदने की प्रार्थना की और उपर्युक्त लेख्यधारी ने भी जमीन खरीदना स्वीकार किया ।

(2) मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि बिक्री की जानेवाली जमीन को मैंने वजरिये रजिस्ट्री केवाला संख्या 1161 दिनांक 21·06·1975 को श्री अब्दुल सत्तार पिता स्व0 बाकर अली निवास स्थान सिमडेगा भट्ठोटोली, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा से प्राप्त किया है । जमीन का मालगुजारी रसीद मेरे नाम से कटती है । जमीन पर मेरा निर्विवाद हक एवं दखल कब्जा है ।

Scanned with OKEN Scanner

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES



जमीन पर किसी प्रकार का भार झगड़ा झंझट नहीं है । इसलिए जमीन का कुल कीमत 1,16,000/- रूपये एक मुस्त अदाय वो वसूल पाकर बिक्री किया । अब से उपर्युक्त जमीन पर मेरा किसी प्रकार का हक दखल एवं अधिकार नहीं रहा और न ही मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का रहेगा । जमीन का कुल हक दखल उपर्युक्त लेख्यधारी को हस्तान्तरित कर दिया । जमीन पर पूर्ण हक दखल उपर्युक्त लेख्यधारी का रहा वो आइन्दे रहेगा ।

§3§ चाहिए कि लेख्यधारी अपनी खरीदगी जमीन पर दखलकार होकर वो रहकर अपने निवास करने के लिए मकान कुवां बनवायें या उन्हें जैसी सुविधा हो करें । वो झारखण्ड सरकार वजरिये अंचल कार्यालय सिमडेगा से अपने नाम दाखिल खारिज कराकर ता: लेख्य से प्रतिवर्ष लगान चुकाकर अपने नाम खास रसीद लिया करें ।

§4§ मैं अपनी इच्छा मन और शरीर की स्वस्थता में रहकर उपर खाना संख्या पाँच में वर्णित जमीन का विक्रय पत्र केवाला लिख दिया कि प्रमाण रहे एवं समय पर काम आवे ।

500Rs.

मैं लेख्यकारी यह घोषणा करता हूँ कि विक्रीत जमीन वो बचत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

[illegible]



प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यकारी के बाँयें हाथ के पाँचों अंगुलियों का छाप मेरे समक्ष लिया गया।

राजेन्द्र प्रसाद अधिवक्ता

29-03-2010

मैं लेख्यधारी यह घोषणा करता हूँ कि पूर्व में धारित जमीन वो खरीदगी के बाद कुल धारित जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

सही दीपनारायण प्रसाद
25-3-10

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यधारी के बांये हाथ के पांचों अंगुलियों का छाप मेरे समक्ष लिया गया।

राजेन्द्र प्रसाद अधिवक्ता
29.03.2010

Attested
Rajendra Prasad
Adv.
29-03-2010

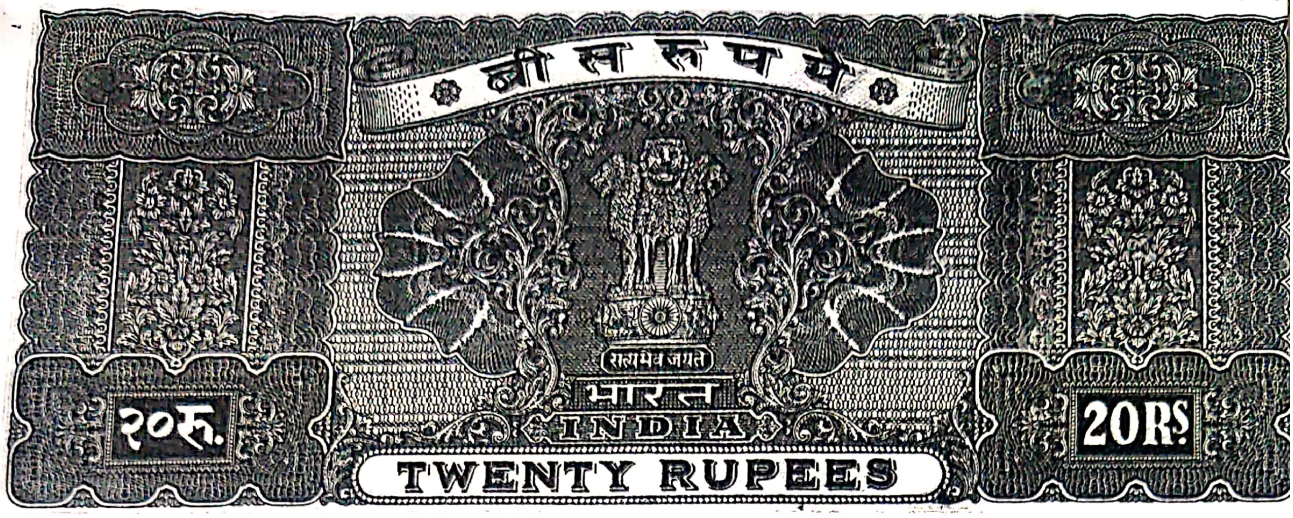

20 Rs






उभय पक्षों के कहे अनुसार इस विक्रय पत्र दस्तावेज का प्रारूप तैयार किया एवं उनको गवाहों के समक्ष पढ़कर सुना वो समझा दिया जिसे उन्होंने स्वीकार किया ।

सही/- राजेन्द्र प्रसाद
अधिवक्ता
{प्रारूपकर्ता}
तारीख:- 29-03-2010

20 Rs.

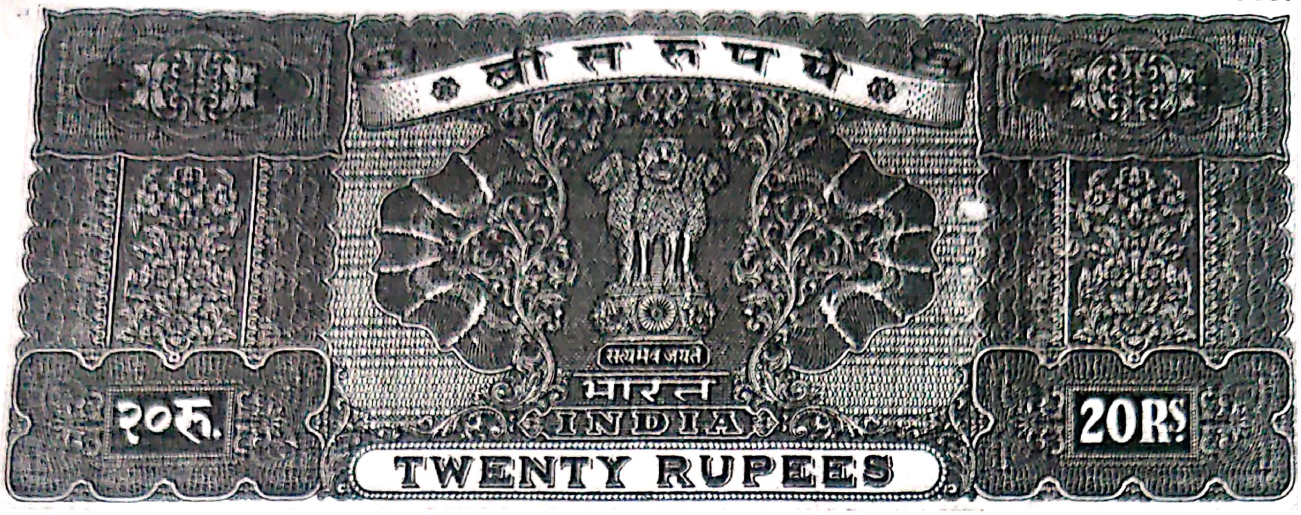






प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र दस्तावेज के कुल आठ पृष्ठों में कुल 538 शब्द टंकित हैं जो खण्डन रहित वो नक्सा सहित है ।

टंकक
मो० मकसुद
29.3.2010

मो0 मकसुद
कचहरी परिसर,
सिमडेगा ।